

३ खाया वा काया व म नु या ज व स क दाय १ व द स
॥ म नु क न ॥ नाम का या व य र १ व क सि यि ॥ ॥ थ
न यो या य य नि १ का या व न ख न रु या व ॥ व न थ द व सि उ
ना य न स थ द व ॥ द य क न य ॥ द नु स थ नु न भ व न म स न
क व क न रु ना ॥ थ म मि कि न क व न द नु स न ख न ॥ दि ली व न न
या य रु ना ॥ थ ग न या रु का या व व या हि य नि व ना य न द ॥ उ द क
न रु य व रु ॥ मि सा रु न मि ज न रु न ॥ ख दाय म रु न रु ॥ थ न ग न

सा त्वा धव न्यत्र च न न नि स्यं च न न स्य श न स च न मा हा नि रु य
व ॥ थ व यु गि क द व ख ॥ रु न्खा रं ग न य वि वा न स मा य ॥ ॥ ॐ स ह ॥
श्री १ ग (व) सा य न म ॥ रु न्खा रं स स क न यं (ग) न वा य या ॥ थ य २ न व ख ॥
॥ ॐ ॥ वा ॥ या ॥ थ न न नि वा क ॥ न व ति न का र्थं स ॥ व न स ॥ या नि स
न न ॥ क य का स द्वा य डि व ख ॥ न न न व न्यत्र च न न व ॥ गु ति वि द
न स च न व मि खा स उ न स दि ता र य व ॥ सा या था न न खान मि य
व गु ति स द्ध न यो ध न ॥ ग न व क ॥ नि ना थु ति न ति २ न म स ख

॥ स मा या का व द्ध न ॥ थ ति व मु ति न म न ॥ स ग म स ध न
व ख ॥ थ या मि खा या ति न्यत्र च न न च का ॥ कू कू म ॥ लू व क स
न या व न्यत्र स न ॥ न स न क र का य जा व स व यि व ख ॥ या म
॥ ॐ ॥ ॐ न मा आ श म कि ॥ नि व द्ध नि का लि का कू ति का नि वा ।
दू जी वा म ॥ म हा ल क्षी ति वू न र्ज वि का स न न्य ति सि धि या नि नी र्ग न्य नी
व क्षी मा र्ज नी कू म यी ठि का ॥ व द्वा ना ला र्ज का ॥ गु क नि ना ला वा या ज द
स च न स व र्ज यि स थ क ॥ (ग) न क र व म हा द व क आ क ॥ ति नि यू क सि धि ॥

कानयाय ॥ ॥ ॐ अं वं हं मं रं दं हं ॥ वन न म म न न न न न न ॥
 मन क या का स दा ह न या ॥ ॐ गु नि नै ॥ अ ह न का ह्यं व न अ य व न
 क या क स थ न ना म का ह्यं क व या क स का का सा की म रु यू र न द य सू ॥
 (न न य न म ॥ वि ज्ञा न क उ स सा या ज्ञा ह न या का स का य न म ॥
 न का ह्यं कि न र द द अ य य थ न न ना म का ह्यं थ न न न न ना म न
 म सा थ क न अ त र य व थ न ॥ य नै ॥ ॐ रं दं हं ॥ ॥
 ॥ ॥ म नू ना थ न क उ स का ॥

२५३ जगद्विजयार्थ
 मन्त्रादि

JASHA ARCHIVES

